जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 48 प्रभात बीकानेर, रविवार 8 सितम्बर, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

अपनी ''फोकस्ड'' शैली के कारण कमला हैरिस का पलड़ा भारी पड़ रहा है ट्रम्प पर

पर, भारतीयों का अमेरिका में सबसे बड़ा संगठन, ''हिन्दूज़ फॉर अमेरिका फर्स्ट'' पूर्णतया डॉनल्ड ट्रम्प के पक्ष में खड़ा है, अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में

- वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन, ट्रम्प के सामने कमज़ोर पड़े, क्योंकि वे अपने भाषणों में ''फोकस्ड'' नहीं थे तथा वे अपने प्रतिद्वंदी की कमज़ोरी व गलतियों का लाभ उठाने में प्रभावी नहीं पाये गए थे।
- कमला हैरिस, परन्तु, एक सफल वकील रही हैं, अतः उनकी टिप्पणियाँ प्रतिद्वंदी के खिलाफ तीखी व तिलमिला देने वाली होती हैं।
- ट्रम्प अपने भाषणों में बड़े ''नाटकीय'' व ''अनफोकस्ड'' होते हैं तथा विचारों पर अनुशासित नहीं रह पाते। उनका यह आचरण कमला हैरिस को पूर्ण मौका देता है, ट्रम्प की आँकड़ों की सच्चाई व तर्कों के सतहीपन पर सार्वजनिक रूप से आक्रमक होकर, पूरा राजनीतिक लाभ उठाने का।
- बाइडन ऐसा नहीं कर पाते थे, अतः ''रेस'' से बाहर हो गये और कमला हैरिस अच्छी तरह से कर सकती हैं, अतः ''रेस'' जीत भी सकती हैं।

-सुकुमार शाह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ जून में हुई अपनी बहस में, पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने अपने प्रशासनिक कार्यों की अभूतपूर्व प्रकृति की डींगें मारी थीं तथा कहा था कि मेडिकल नजरिये से देखने पर भी, इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था। उन्होंने ''राइट टु ट्राई'' जैसी पहलों का उल्लेख किया जिसके चलते ''टर्मिनली'' बीमार मरीजों को दूसरे देशों में इलाज के लिए जाने देने के बजाय, कटिंग-ऐज-मैटिरियल'' का उपयोग करते हुए, उनका प्रायोगिक तौर पर इलाज किया गया। ट्रम्प का अंतिम तर्क अटपटा था, लेकिन जहाँ बाइडन का प्रदर्शन उल्लेखनीय रूप से कमजोर था, वहीं उस रात को ट्रम्प की सफलता का कारण बाइडन की ओर ज्यादा बड़ी असफलता रही।

यद्यपि बाइडन के जवाब लिखित रूप में तो काफी सुसंगत थे, लेकिन अप्रभावी प्रस्तुति तथा ट्रम्प की बहुत बड़ी गलतियों का प्रभावी रूप से प्रतिकार करने में उनकी असमर्थता ने उनके जवाबों का सत्यानाश कर दिया था।

ट्रम्प की बहस में भ्रामक बयान तथा निराधार दावों की भरमार थी, जैसे उनका यह कहना, कि 6 जनवरी को संसद भवन पर हुए हमले की जिम्मेदारी हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने ले ली थी। ''द इकॉनॉमिस्ट'' का एक लेख कहता है कि अतिशयोक्तियों तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अचानक घटना से कार्डिऐक अरैस्ट हो सकता है'

जयपुर, 7 सितंबर। जिले की मोटर एक्सिडैंट क्लेम ट्रिब्यूनल (एम.ए.सी.टी.) ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी व्यक्ति के साथ अकस्मात घटना होने पर, चोटों के बिना भी, उसे कार्डियक अरेस्ट आ सकता है। ऐसी स्थिति में बीमा कंपनी क्लेम देने की जिम्मेदारी से बच नहीं

- मोटर एक्सिडैंट क्लेम ट्रिब्युनल ने यह टिप्पणी करते हुए बीमा कम्पनी से कहा कि वह मृतक के परिवार को ''क्लेम'' की राशि दे।

सकती। वहीं कोर्ट ने विपक्षी बीमा कंपनी को निर्देश दिया कि वह प्रार्थिया को क्षतिपूर्ति के तौर पर14.31लाख रुपए की राशि ब्याज सहित दे। कोर्ट ने कहा कि यदि अकस्मात घटना नहीं होती तो उसकी मौत नहीं होती। कोर्ट ने यह आदेश लाल कंवर व अन्य की क्लेम याचिका पर दिया।

याचिका में कहा कि प्रार्थिया का पति महावीर सिंह 12 जनवरी 2022 की रात आठ बजे अपने ट्रक को कनकपुरा फाटक के पास खड़ा कर पैदल-पैदल खाना खाने होटल पर जा रहा था। वह महफिल होटल के पास पहुंचा तो नैशनल इंश्योरेंस कंपनी से बीमित मोटरसाइकिल के चालक ने गलत साइड से आकर उसे टक्कर मारी। इसमें उसे खरोंच आई और वह बेहोश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विनेश व पूनिया के कांग्रेस में जाने से तिलमिलाई भाजपा बृज भूषण की शरण में पहुंची

बृज भूषण ने विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया पर आरोपों की बौछार की

- बृज भूषण शरण सिंह ने कहा, 18 जनवरी 2023 को दिल्ली में जंतर मंतर पर जो आंदोलन हुआ था वह खिलाड़ियों का आंदोलन नहीं था। सारा आंदोलन कांग्रेस का षड्यंत्र था, जिसे भूपिंदर सिंह हुड्डा लीड कर रहे थे।
- बृज भूषण ने विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के कांग्रेस में जाने पर कहा, इससे स्पष्ट है कि उनके खिलाफ जो भी आरोप लगाए गए हैं वे सभी राजनीति से प्रेरित हैं।
- ज्ञातव्य है कि, रैसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और भाजपा के बाहुबली नेता बृज भूषण पर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप है और उनके खिलाफ आंदोलन किया गया था जिसके कारण उन्हें पद छोड़ना पड़ा था।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। हरियाणा में विधानसभा चुनावों से ठीक पहले दो पहलवानों- विनेश फोगाट तथा बजरंग पूनिया के देश की सबसे पुरानी पार्टी, कांग्रेस में शामिल हो जाने के बाद भाजपा द्वारा इन दोनों ओलम्पियनों पर प्रहार करने के लिये कुख्यात बाहुबली बृजभूषण सिंह को मैदान में उतार दिया गया है ताकि कांग्रेस इन दोनों का चुनावी लाभ न ले सके। इस पृष्ठभूमि में, सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरु हो गया है।

रेसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यू.एफ.आई.) के पूर्व अध्यक्ष तथा भाजपा के बाहुबली सिंह ने आज कहा कि विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के कांग्रेस में शामिल होने से यह सिद्ध हो गया है कि पहलवानों द्वारा उनके खिलाफ किया गया विरोध प्रदर्शन कांग्रेस की साजिश का परिणाम था तथा इसके पीछे हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हूडा का दिमाग काम कर रहा था। सूत्रों का कहना है कि भाजपा हाईकमान ने भाजपा के पूर्व सांसद सिंह से खासतौर से कहा है कि उन्हें कांग्रेस को इसका चुनावी लाभ लेने से रोकना है।

पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया की इस राजनैतिक छलाँग के बाद आये पूर्व डब्ल्यू.आई.एफ. अध्यक्ष सिंह के साजिश के आरोप के तुरन्त बाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हरियाणा में नहीं होगा कांग्रेस और आप का गठबंधन?

आप की ज़िद ने दोनों दलों के बीच सीटों के बंटवारे की वार्ता में गतिरोध पैदा किया

- आम आदमी पार्टी 90 सीटों में से 10 सीटें मांग रही है, पर, कांग्रेस 5-7 देना चाहती है।
- आप नेताओं ने धमकी भी दी कि आप को कमज़ोर ना समझा जाए, वह 90 सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार है।
- कांग्रेस ने आप पार्टी की धमकी पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। लगता है कि आम आदमी पार्टी हरियाणा में अपने पैर फैलाने की अधिक इच्छुक है, बजाय कांग्रेस के साथ मिलकर भाजपा का मुकाबला करने के, क्योंकि इण्डिया ब्लॉक की दोनों सहयोगी पार्टियों के बीच संख्याओं को लेकर सीट शेयरिंग की वार्ता विफल होने के कगार पर है।

हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर चल रही अनिश्चितताओं के बीच आज आप ने, सीट शेयरिंग वार्ता को एक मौका देने के लिए चुप्पी बनाए रखने के बजाय धमकी दे डाली, कि जो लोग पार्टी को ''कम आंक'' रहे हैं वो ''पछताएंगे।''

दिन के शुरु में आप की राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि बातचीत चल रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ''कुछ निर्णय'' होगा, क्योंकि, वार्ता जारी है और अभी से कुछ कहना जल्दबाजी होगी। उनसे पूछा गया था कि यदि कांग्रेस के साथ गठबंधन हो जाता है तो आप कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, आप के राष्ट्रीय सचिव (संगठन) संदीप पाठक ने कहा, ''हम पूरी तरह तैयार हैं और पार्टी के आदेश का इंतज़ार कर रहे हैं तथा जो भी हमें कम समझेगा वो भविष्य में खुद ही पछताएगा।''

दूसरी तरफ कांग्रेस ने आप नेताओं के उकसाने पर प्रतिक्रिया ना देकर गरिमा बनाए रखने का रास्ता चुना है।

कांग्रेस तथा आप के बीच गठबंधन की वार्ता में सीट शेयरिंग को लेकर गतिरोध पैदा हो गया है। सूत्रों के अनुसार, आप ने 10 सीटों की मांग की थी, जबकि, कांग्रेस ने 5 से 7 सीटें देने का प्रस्ताव दिया था। हरियाणा में 5 अक्टूबर को चुनाव होने हैं तथा नामांकन दाखिल करने की अंतिम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पेपर लीक केस में राईका की रिमांड बढ़ी

जयपुर, 7 सितंबर। मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट ने एस.आई. भर्ती-2021 के पेपर लीक मामले में आर.पी.एस.सी. के पूर्व सदस्य रामू राम राईका और उसके बेटे देवेश व पुत्री शोभा सहित तीन अन्य की रिमांड अवधि दस सितंबर तक बढ़ा दी है। वहीं, 6 सितंबर को जोधपुर से गिरफ्तार ऋतु शर्मा को भी

- मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट ने आर.पी.एस.सी. के पूर्व सदस्य रामूराम राईका, उनके पुत्र देवेश, पुत्री शोभा व तीन अन्य की रिमांड 10 सितम्बर तक बढ़ा दी है।

दस सितंबर तक रिमांड पर भेजा है।

एस.ओ.जी. की ओर से रिमांड अवधि पूरी होने के बाद राईका, मंजू देवी, अविनाश पलसानिया और विजेन्द्र कुमार को अदालत में पेश किया गया। एस.ओ.जी. ने कहा कि आरोपियों से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बैंगलोर में फिर गर्माया हिंदी बनाम कन्नड़ विवाद

एक्स पर कन्नड़ व हिंदी समर्थकों के बीच भारी गर्मागर्मी का माहौल

- सारा विवाद एक ऑटोरिक्शा चालक और एक प्रवासी महिला के बीच राइड कैंसिल करने को लेकर शुरु हुआ, ऑटोरिक्शा चालक ने महिला को थप्पड़ मार दिया था।
- पुलिस ने चालक की इस हरकत को गलत बताकर गिरफ्तार कर लिया, पर बैंगलोर के स्थानीय लोग ऑटोरिक्शा चालक को ''पीड़ित'' बता रहे हैं।
- स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रवासी ना केवल उनके रोजगार छीन रहे हैं बल्कि सालों यहां रहने के बाद भी कन्नड़ भाषा का एक शब्द नहीं सीखते और स्थानीय लोगों पर हिंदी बोलने का दबाव डालते हैं।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। कर्नाटक में निकट भविष्य में तो कोई चुनाव नहीं है। लेकिन एक्स पर भाषाई मुद्दे पर भावनापूर्ण बयानों की भरमार है। कन्नड़ लोग प्रवासियों के बेतुके कटाक्षों और भाषाई के कट्टरता के प्रति भी उत्तेजक टिप्पणियां कर रहे हैं।

गत दो-तीन दिन से सोशल मीडिया साइट एक्स पर कन्नड़ भाषा के पैरोकार काफी गुस्से में हैं और तथाकथित हिंदीभाषियों को आड़े हाथों ले रहे हैं, क्योंकि हिंदी भाषा के समर्थकों का कहना है कि हिन्दी एकमात्र भाषा है जो सबको जोड़ती है उनका यह कहना है कि भारत में सभी को हिन्दी बोलनी चाहिए क्योंकि यह हमारी राष्ट्रभाषा है, जो कि सही नहीं है हिन्दी भी अंग्रेजी की तरह राजकीय भाषा है।

मामला उस समय चरम पर पहुंच गया जब एक ऑटोरिक्शा ड्राइवर ने एक प्रवासी महिला यात्री को थप्पड़ मार दिया क्योंकि उस महिला ने ऑटोरिक्शा ड्राइवर को थोड़ी देर इंतजार कराने के बाद राइड कैन्सिल कर दी थी। इसके बाद दोनों में तीखी बहस हुई लेकिन इससे स्थानीय बनाम बाहरी मुद्दा भी गर्मा गया। इसके बाद ट्विटर पर दोनों पक्षों के लोग कूद पड़े और एक प्रकार का भाषा युद्ध छिड़ गया। ऑटोरिक्शा ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया उसे जमानत के लिए तीस हजार रुपये खर्च करने पड़े। इस सबके बाद भी मामला ठंडा नहीं हुआ। हालिया खबरों के अनुसार ड्राइवर अभी भी हिरासत में है उसकी गिरफ्तारी ने कन्नड़ लोगों को एकजुट कर दिया है। उनका कहना है कि प्रवासी यहाँ आते हैं। बरसों रहते हैं पर स्थानीय लोगों के साथ बात कर पाने के लिए कन्नड़ भाषा का एक शब्द भी नहीं सीखते हैं। इसकी बजाय वे स्थानीय लोगों पर हिन्दी बोलने का दबाव बनाते हैं। कन्नड़ लोगों ने इसका घोर विरोध किया और कहा, ऐसा लगता है कि हमारे क्षेत्र में हम ही बाहरी हो गए हैं।

बैंगलोर की पुलिस ने ड्राइवर के हिंसात्मक व्यवहार को आपत्तिजनक माना और कहा कि राइड कैन्सिल करने में हिंसा की कोई जगह नहीं है। ऑटो चालक ने कानून को अपने हाथ में लेकर गलती की है। उक्त ऑटो चालक की गिरफ्तारी के बाद कन्नड़ लोग उसे ''पीड़ित'' बता रहे हैं।

लेकिन इस मामले को अधिकांशतः नकारात्मक प्रचार मिला है और उसे देखते हुए अगर पुलिस ने सजगता नहीं बरती तो संभावना है कि इससे माहौल बिगड़ सकता है। स्थानीय लोग इस बात से भी नाराज़ हैं कि काफी तादाद में प्रवासी भी ऑटो चला रहे हैं। उन्हें डर हैं कि उनकी आजीविका छिन रही है।

इस बात से कर्नाटक सरकार के प्राइवेट सैक्टर की कम्पनियों में निचले स्तर के 80 प्रतिशत पद स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित करने के निर्णय को समझा जा सकता है। फिलहाल इस निर्णय को होल्ड पर रखा है क्योंकि प्राइवेट सैक्टर ने इसका विरोध किया और कहा यह नीति उन्हें सही प्रतिभा ढूंढने से रोक रही है।

लेकिन ऑटोरिक्शा ड्राइवर की घटना और टाटा कम्पनी द्वारा कर्नाटक व तमिलनाडू की फैक्ट्री के लिए चार हजार टैक्नीशियन बाहर लाने के निर्णय तनाव को और ज्यादा बढ़ा रहे हैं।

नाबालिग का अपहरण और रेप, आरोपी को 20 साल की सजा

जयपुर, 7 सितंबर। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने आरोपी महादेव प्रसाद पर 1.75 लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया। पीड़िता जब 11वीं कक्षा की छात्रा थी तब आरोपी उसका शिक्षक था।

महादेव प्रसाद को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 29 वर्षीय इस अभियुक्त पर 1.75 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने 13 अप्रैल, 2022 को गोविंदगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा कि बीती रात उसकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूक्रेन काफी थक गया है, अपने से एक बहुत बड़े देश के साथ लम्बे समय से युद्ध करते-करते

पश्चिमी देशों की यूक्रेन को और आधुनिकतम हवाई जहाज देने में कुछ हिचकिचाहट के कारण यूक्रेन के पास ऐसे हवाई जहाज नहीं हैं जो रूस के बहुत अंदर जाकर बमबारी कर सकें, अतः युद्ध खिंचता ही जा रहा है

- पश्चिमी देशों की हिचकिचाहट का कारण, वो यह अंदाजा नहीं लगा पा रहे हैं कि इस ''डीप बमबारी'' के बाद रूस की क्या प्रतिक्रिया होगी। रूस और आक्रामक भी हो सकता है तथा उसके मित्र राष्ट्र, जो अभी किनारे खड़े होकर सहानुभूतिपूर्ण आँखों से युद्ध देख रहे हैं, पर, युद्ध में रूस के पक्ष में कूदे नहीं हैं।
- हताश होकर यूक्रेन ने पुराना हथियार ''थरमाईट'' ढूंढकर, पोंछ पांछ कर निकाला है तथा ड्रोन्स पर चढ़ाकर, रूस पर ड्रोन्स से आक्रमण करने की रणनीति बना ली है।
- ''थरमाईट'' 2220 डिग्री सैन्टीग्रेड तक की आग बरसा सकता है तथा जमीन पर इस भारी आग से तबाही मचती ही है, साथ ही यह शत्रु के सैनिकों में भय फैला देता है तथा जंगलों में गुफाओं में छुपे सैनिक बाहर आने को मजबूर हो जाते हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। हताशा से भरा यूक्रेन अब एक नए प्रकार के हथियार का प्रयोग कर रहा है, जिसने रूस के अग्रिम पंक्ति के सैनिकों में दिल दहलाने वाला भय पैदा हो रहा है।

यूक्रेन के नवीनतम ड्रोन रूसी सेना पर आग बरसा रहे हैं और ये इतने घातक हैं कि रूसी सेना आतंकित हो रही है। लेकिन, यूक्रेन के मित्र इस बात को लेकर चिंतित है कि रूस इन हथियारों के जवाब में क्या प्रतिक्रया दे सकता है।

ये ड्रोन, जिन्हें ड्रैगन ड्रोन्स कहते हैं, आकाश से अल्युमिनियम पाउडर और आयरन ऑक्साइड का मिश्रण छोड़ते हैं, जो 2,220 सैंटीग्रेड तक ''हीट'' पैदा कर सकता है और यह उस पूरे क्षेत्र को जलाने में सक्षम हैं जहाँ ड्रोन हमले किए जा रहे हैं। इस तरह की आग मनुष्य को भयंकर नुकसान पहुँचा सकती है। यदि कोई इस आग से बच भी गया तो उसे ठीक होने में महीनों लग सकते हैं।

इन दो तत्वों का मिश्रण, जिसे थरमाइट्स कहते हैं, का प्रयोग प्रथम तथा द्वितीय विश्व युद्ध में किया गया था। इस मिश्रण की प्रकृति (प्रोपर्टीज़) की खोज जर्मनी के एक वैज्ञानिक ने सन् 1890 में की थी। अपनी ''थर्मल वैल्यूज़'' के कारण यह तत्व रेलवे लाइन बिछाने और रेल लाइन को वैल्ड करने में उपयोगी पाया गया था।

बाद में, जब प्रथम विश्व युद्ध शुरू हुआ तो, जर्मनी ने दुश्मन में दहशत फैलाने के लिए मिलिटरी टूल के रूप में इसको उपयोगी पाया। इस तरह प्रथम विश्व युद्ध में इसका उपयोग शुरू हुआ।

यूक्रेन अब ड्रोन हमलों में हथियार के रूप में थरमाइट्ज का उपयोग कर रहा है। इन ड्रोन्स का उपयोग अग्रिम पंक्तियों में किया जा रहा है, तथा इससे जंगलों में गुफाओं में छुपे हुए रूसी सैनिक भी बाहर आने को मजबूर हो जाते हैं। अत्यधिक तेज आग भड़काने वाली प्रकृति के कारण, यूक्रेन ने इन ड्रैगन फायर ड्रोन्स का उपयोग हाल ही में घने जंगली क्षेत्रों में किया है, जहाँ रूसी सैनिकों ने पोज़ीशन ले रखी थी।

ये ड्रोन बड़े-बड़े क्षेत्रों में आग लगाकर छुपे रूसी सेनिकों को बाहर ला सकते हैं। इन ड्रोन्स के द्वारा पिघली धातु आकाश से गिरती है। यूक्रेन ने इस टैक्नॉलोजी की भारी सफलता का दावा किया है। यूक्रेन, रूस की बढ़ी हुई एयर स्ट्रायक्स का जवाब देने के लिए अपने पास एयर फायर पावर नहीं होने की शिकायत करता आया है। रूसी एयर फोर्स ने यूक्रेन की पोज़ीशन्स को भारी नुकसान पहुँचाया है। रूस जब चाहे तब सिविलियन टारगैट्स पर हमला कर रहा था। क्योंकि यूक्रेन की मोर्चाबंदी कुछ ढीली पड़ रही है।

यूक्रेन के मित्र राष्ट्र, अमेरिका तथा यूरोपीय देश उसे हथियार तथा असला सप्लाई करने में कुछ हिचकिचा रहे हैं। इसलिए यूक्रेन को अपने देश में ही नुकसान उठाना पड़ रहा है तथा रूस को लाभ हो रहा है।

इस हिचकिचाहट का आधार यह तथ्य है कि उन्हें लगता है यूक्रेन को लम्बी दूरी तक मार करने वाले हथियार देने का मतलब होगा कि वो रूस की सीमा के बहुत अंदर तक हमला कर पाएगा। पर इससे रूस की तरफ से अविश्वसनीय प्रतिक्रिया हो सकती है। लेकिन, यूक्रेनियन्स हताश हैं, कि उनके पास समय नहीं बचा है ना ही गतिशीलता। एक छोटा देश, यूक्रेन, लंबे समय से अपने से बहुत बड़े दुश्मन से लड़ रहा है। वो अपनी आर्मी तथा अन्य फोर्सेज में सैनिकों की कमी पूरी नहीं कर पा रहा है। यूक्रेन की हताशा की एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मणिपुर में उग्रवादियों के हमले में पांच की मौत

इम्फाल, 7 सितंबर। मणिपुर में बीते साल मई से चल रहा तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बिष्नुपुर में रॉकेट अटैक के बाद अब हिंसा में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है।

- मणिपुर में ताजा हिंसा की घटनाओं के बाद पिछले पांच दिनों से तनाव बहुत बढ़ गया है। शुक्रवार की रात बिष्णुपुर में एक शख्स की हत्या कर दी गई थी। इसके अलावा, मणिपुर राइफल्स के हैडक्वार्टर से हथियार लूटने की कोशिश की गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक व्यक्ति की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह सो रहा था, वहीं बाद में हुई गोलीबारी में चार हथियारबंद लोग मारे गए। मणिपुर पुलिस अधिकारी के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)